



मैं इस बात को स्वीकार करने के लिए तैयार था कि मैं कुछ चीजें नहीं बदल सकता।
-डॉ. अब्दुल कलाम

मूल्य
₹ 3/-

जिद...सच की

● वर्ष: 11 ● अंक: 339 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार 16 जनवरी, 2026

भारत का विश्वकप में जीत के साथ... **7** तमिलनाडु विधानसभा चुनाव की... **3** जनता भाजपा को भेजेगी डिटेन्शन... **2**

डबल इंजन सरकार, अमृतकाल और नलों से निकलता जहरीला पानी

इंदौर में जहरीले पानी से हो चुकी हैं डेढ़ दर्जन मौतें, अब नोएडा में 70 बीमार

- » देश के सबसे साफ शहर इंदौर के बाद स्मार्ट सिटी नोएडा के नलों से निकला जहरीला पानी
- » अगला नम्बर किस शहर का?
- » साफ शहर हो या स्मार्ट सिटी अगर बुनियादी ढांचा सड़ चुका है तो तमगे बेमानी हैं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। ग्रेटर नोएडा के अल्फा-2 सेक्टर इलाके से एक बुरी खबर सामने आ रही है। खबर है कि दूषित पानी पीने की वजह से इलाके के लगभग 70 से ज्यादा लोग बीमार पड़ चुके हैं। इन लोगों में ज्यादातर टाइफाइड, पेट दर्द, उल्टी-दस्त और बुखार जैसी बीमारियों के सामने आये हैं।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि क्षतिग्रस्त पाइपलाइन के कारण पीने के पानी में सीवेज का पानी मिल रहा है जिससे यह स्थिति पैदा हुई। अब सवाल यही उठता है कि जिस देश में अमृत काल का एलान हो चुका हो जहाँ शहरों को स्मार्ट और विश्वस्तरीय बताकर प्रचार के पोस्टर चमकाए जाते हों उसी देश में अगर नल खोलते ही सीवेज का पानी बहने लगे तो इसे हादसा नहीं सिस्टम की सड़ांध कहा जाएगा। इंदौर के बाद अब नोएडा से आई यह खबर सिर्फ स्थानीय प्रशासन की नाकामी नहीं बल्कि शहरी भारत के विकास माडल पर सीधा तमाचा है।

सीवेज मिला पानी पहुंचा

नोएडा के कई इलाकों में पाइपलाइन लीकेज के चलते घरों में पीने के पानी की जगह सीवेज मिला पानी पहुंचा। नतीजा 70 से ज्यादा लोग बीमार उल्टी, दस्त, पेट दर्द और बुखार की शिकायतों से अस्पतालों में भर्ती हुए। सवाल यह नहीं कि लोग बीमार क्यों पड़े सवाल यह है कि क्या अब भारत में नल से पानी पीना भी जोखिम भरा हो गया है?

माडल सिटी में दूषित पानी

यह वही नोएडा है जिसे दिल्ली का माडल शहर कहा जाता है।

जहां आईटी पार्क हैं, मल्टीनेशनल कंपनियां हैं और चौड़ी सड़कें हैं। हर चुनाव में विकास के बड़े बड़े दावे किए जाते हैं। लेकिन इस चमक दमक के नीचे जो असली तस्वीर है वह डरावनी है। सड़ी पाइपलाइन, लीक होता सीवेज और सोता हुआ प्रशासन। सबसे चौंकाने वाली बात

यह है कि यह घटना अकेली नहीं है। कुछ ही समय पहले इंदौर जिसे लगातार देश का सबसे साफ शहर घोषित किया जाता रहा है वहां भी ऐसा ही मामला सामने आया था। यानी साफ शहर हो या स्मार्ट सिटी अगर बुनियादी ढांचा सड़ चुका है तो तमगे बेमानी हैं।

जनस्वास्थ्य आपातकाल!

यह सिर्फ पानी का संकट नहीं यह जनस्वास्थ्य आपातकाल है। पानी से फैलने वाली बीमारियां किसी भी शहर को घंटों में ठप कर सकती हैं। लेकिन सवाल यह है कि जब लोग बीमार पड़े तब प्रशासन क्या कर रहा था? क्या पाइपलाइन की नियमित जांच हुई थी? क्या जल आपूर्ति और सीवेज लाइन की मैपिंग ठीक से की गई थी? और अगर खतरा पहले से था तो लोगों को चेतावनी क्यों नहीं दी गई? नोएडा की घटना एक बड़ा राजनीतिक सवाल भी खड़ा करती है कि जब विकास की राजनीति होती है तो प्लाईओवर, मेट्रो और इमारतें दिखाई जाती हैं। लेकिन पानी, सीवेज और स्वास्थ्य जैसे बुनियादी मुद्दे हमेशा फाइलों में दबे रह जाते हैं।

शहरी सेहत पर सवाल?

आज सवाल यह नहीं कि दोषी कौन है। सवाल यह है कि क्या अगला नंबर किसी और शहर का होगा? क्या कल गुरुग्राम, बंगलुरु या पुणे की बारी है? और क्या हर बार प्रशासन सिर्फ जांच के आदेश देकर बच निकलेगा? इंदौर के बाद नोएडा ने यह साफ कर दिया है कि भारत के शहर ऊपर से जितने आधुनिक दिखते हैं भीतर से उतने ही खोखले होते जा रहे हैं। अगर अब भी चेतावनी नहीं ली गई तो यह संकट सिर्फ 70 बीमार लोगों तक सीमित नहीं रहेगा यह पूरे शहरी भारत की सेहत पर हमला बन सकता है।

'नोएडा'

70

से ज्यादा लोग बीमार

उल्टी, दस्त, पेट दर्द और बुखार की शिकायतों से अस्पतालों में हुए भर्ती

25 हजार की आबादी वाला क्षेत्र

नोएडा का अल्फा-2 सेक्टर में करीब 25 हजार लोग रहते हैं। स्थानीय निवासियों का कहना है कि कई जगहों पर सीवर लाइन ढकी नहीं है जिसकी वजह से बार-बार पानी दूषित हो रहा है। क्षेत्र के निवासी दीपक नगर का कहना है कि लगातार लोग बीमार पड़ रहे हैं और पूरे इलाके में गंदे पानी की सप्लाई हो रही है लेकिन समय

रहते ठोस कार्रवाई नहीं की गई। स्थिति तब और गंभीर हो गयी जब पास के डेल्टा सेक्टर में भी लगभग 30 लोग बीमार पड़ गए। शिकायतों के बाद ग्रेटर नोएडा इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी हरकत में आयी और एक लीकेज को ठीक कराया गया। साथ ही अन्य इलाकों से भी पानी के सैंपल लेकर जांच के लिए भेजे गए हैं। अथॉरिटी के जनरल मैनेजर विनोद शर्मा के मुताबिक अल्फा-2 सेक्टर से पानी के सैंपल लिए गए थे जिन्हें जांच के लिए भेजा गया है। उन्होंने कहा कि अगले सप्ताह तक रिपोर्ट आने की उम्मीद है। इसके अलावा जल आपूर्ति की निगरानी के लिए एक उच्च स्तरीय समिति का गठन भी किया गया है।

लोग डेल्टा सेक्टर में भी बीमार पड़े

30

जनता भाजपा को भेजेगी डिटेन्शन सेंटर: अखिलेश

» सपा प्रमुख बोले- भाजपा नफरत की राजनीति करती है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर करारा प्रहार किया है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की जनता 2027 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को सत्ता से बाहर कर डिटेन्शन सेंटर भेज देगी।

सपा प्रदेश मुख्यालय में बृहस्पतिवार को आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न जिलों से आए नेताओं और कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए अखिलेश ने भाजपा सरकार को नाकाम बताते हुए उस पर अन्याय, अधर्म और अत्याचार का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा की नीतियों से प्रदेश की पूरी व्यवस्था चरमरा गई है। स्वास्थ्य सेवाएं बर्बाद हैं और भ्रष्टाचार चरम पर है।

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा नफरत की राजनीति करती है और जैसे-जैसे कमजोर होती है, उतनी ही ज्यादा साम्प्रदायिक हो जाती है। उन्होंने भाजपा नेताओं को आरोपजीवी बताते हुए कहा कि उनका काम सिर्फ समाजवादी पार्टी पर आरोप लगाना है। भाजपा को उन्होंने पूंजीवादी पार्टी करार



2027 में सरकार बनने पर महिलाओं को हर साल 40 हजार रुपये दिए जाएंगे

उन्होंने दावा किया कि सपा सरकार के कार्यकाल में विकास के बड़े काम हुए। 2027 में सरकार बनने पर किसानों, युवाओं, गरीबों और महिलाओं के हित में ठोस कदम उठाए जाएंगे। शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार होगा, गरीबों को मुफ्त इलाज मिलेगा और महिलाओं को हर साल 40 हजार रुपये दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि 2027 में सपा सरकार बनने में महिलाओं की निर्णायक भूमिका होगी। कार्यकर्ताओं से अपील की कि मतदाता सूची में हर पात्र मतदाता का नाम जुड़वाने के लिए फार्म-6 भरवाएं और 6 फरवरी से पहले नए एवं छूटे मतदाताओं के नाम जोड़ने का काम तेज करें।

देते हुए कहा कि यह पार्टी केवल पूंजीपतियों के मुनाफे के लिए काम

करती है और बैंकों के कर्ज दिलवाने तक सीमित है। अखिलेश यादव ने कहा



हर कार्यकर्ता अपने बूथ पर मजबूती से काम करे

अखिलेश यादव ने स्पष्ट कहा कि चुनावी जीत की असली लड़ाई बूथ पर लड़ी जाती है। उन्होंने कहा कि हर कार्यकर्ता अपने बूथ पर मजबूती से काम करे। वोट बचाना और बूथ जिताना समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। फार्म-6 के माध्यम से छूटे हुए मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में जरूर जुड़वाएं और भाजपा की चालाकियों से पूरी तरह सतर्क रहें। 2027 में कोई चूक नहीं होनी चाहिए।

लोकतंत्र और संविधान के लिए सबसे बड़ा खतरा संघ परिवार से

अखिलेश यादव ने भाजपा और आरएसएस पर तीखा हमला करते हुए कहा कि लोकतंत्र और संविधान के लिए सबसे बड़ा खतरा संघ परिवार से है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा जनता से झूठ बोलने और झूठा नरेटिव गढ़ने में माहिर है। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि पूरी प्रक्रिया में एक भी घुसपैटिया नहीं मिली, फिर भी जनता को गुमराह करने की कोशिश की गई।

यह सब दिखावा है। 2027 में प्रदेश की जनता भाजपा को करारा जवाब देगी।

हरियाणा के पूर्व विधायक मछरौली रालोद में शामिल

» चौधरी जयन्त सिंह ने लोकबंधन (हरा धागा) बाँधकर रविंद्र मछरौली का पार्टी में किया स्वागत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राष्ट्रीय लोक दल के राष्ट्रीय सचिव व झारखंड तथा नगरीय निकाय समिति के प्रभारी अनुपम मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि केन्द्रीय मंत्री सह राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी जयन्त सिंह जी के नेतृत्व, नीतियों और विचारधारा में विश्वास जताते हुए हरियाणा के वरिष्ठ नेता एवं समालोचक से पूर्व विधायक रविन्द्र मछरौली ने राष्ट्रीय लोक दल की सदस्यता ग्रहण की।

चौधरी जयन्त सिंह ने लोकबंधन (हरा धागा) बाँधकर रविंद्र मछरौली जी का पार्टी में स्वागत किया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार एवं राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) त्रिलोक त्यागी भी उपस्थित रहे। त्रिलोक त्यागी ने बताया कि पूर्व विधायक श्री मछरौली का राष्ट्रीय लोक दल परिवार में शामिल होना पार्टी के लिए राजनीतिक मजबूती है। उनके लंबे



राजनीतिक अनुभव, जनाधार और क्षेत्र में सक्रिय भूमिका से संगठन को ज़मीनी स्तर पर नई ऊर्जा मिलेगी। राष्ट्रीय सचिव अनुपम मिश्रा ने राष्ट्रीय लोक दल परिवार की ओर से रविन्द्र मछरौली जी एवं उनके सभी

साथियों का हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री चरण सिंह की विचारधारा और सिद्धांतों को सर्वोपरि रखते हुए उनके सपनों को साकार करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

2027 में एक बार फिर बहुजन समाज पार्टी की सरकार बनेगी: मुनकाद अली

» बसपा ने मायावती का जन्मदिवस जनकल्याणकारी दिवस के रूप में मनाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा के महासचिव मुनकाद अली ने कहा कि भाईचारे की मजबूती से ही प्रदेश का भविष्य बदलेगा और 2027 में एक बार फिर बहुजन समाज पार्टी की सरकार बनेगी। यह बातगांधी भवन सभागार में मायावती के 70वें जन्मदिवस के अवसर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। बसपा सुप्रीमो मायावती का जन्मदिवस जनकल्याणकारी दिवस के रूप में मनाया गया।

कानपुर मंडल के मुख्य मंडल प्रभारी सूरज सिंह जाटव ने कहा कि मायावती के मुख्यमंत्री कार्यकाल में प्रदेश में कानून-व्यवस्था बेहतर रही और सभी जाति-धर्म के लोगों को सम्मान मिला। कई विकास योजनाएं लागू की गईं। बसपा की बढ़ती लोकप्रियता से घबराकर मनुवादी सोच की



ताकतें पार्टी को कमजोर करने में जुटी हैं, लेकिन कार्यकर्ताओं की एकजुटता से उन्हें आने वाले चुनावों में मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। सभा को पूर्व मंत्री अब्दुल मन्नान, माया प्रसाद, इंतजार आब्दी, मौजीलाल गौतम, पार्टी प्रवक्ता फैजान खान, दिनेश पाल एडवोकेट आदि ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ नेता रामनाथ रावत ने व संचालन जिलाध्यक्ष शैलेंद्र गौतम ने किया।



ज्यादा नहीं चलेगा डीएमके व कांग्रेस गठबंधन: पलानीस्वामी

» एआईएडीएमके विधानसभा चुनावों में बहुमत हासिल करेगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। एआईएडीएमके के महासचिव और विपक्ष के नेता एडप्पाडी के. पलानीस्वामी ने डीएमके के नेतृत्व वाले गठबंधन पर प्रहार किया। उन्होंने कांग्रेस पार्टी की स्थिरता पर सवाल उठाए और कांग्रेस के गठबंधन से बाहर निकलने की बढ़ती अटकलों का हवाला दिया। उन्होंने दावा किया कि लोग डीएमके सरकार के सत्ता से हटने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं और जोर देकर कहा कि एआईएडीएमके एक मजबूत और विजयी गठबंधन का हिस्सा है जो आगामी विधानसभा चुनावों में बहुमत हासिल करेगा और सरकार बनाएगा।

सलेम जिले के मेचेरी यूनियन के



एम. कालीपत्ती गांव में एआईएडीएमके पार्टी द्वारा आयोजित पोंगल उत्सव में बोलते हुए, पलानीस्वामी ने कहा कि हाल के राजनीतिक घटनाक्रम सत्ताधारी गठबंधन के भीतर अनिश्चितता की ओर इशारा करते हैं। इससे पहले, पलानीस्वामी बैलगाड़ी से कार्यक्रम म स्थल पर पहुंचे, जहां पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और जनता ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया और उन पर फूल बरसाए। उन्होंने पोंगल के बर्तन में कच्चे चावल डालकर पोंगल उत्सव का उद्घाटन किया, जो 108 बर्तनों

में पोंगल बनाने की पारंपरिक विधि का प्रतीक है। बाद में उन्होंने वल्ली कुम्मी, उरुमी नृत्य, नुक्कड़ रंगमंच और अश्व नृत्य सहित लोक प्रस्तुतियों का आनंद लिया और कार्यक्रम स्थल पर प्रदर्शित जल्लीकट्टू बैलों को पुरस्कार वितरित किए। एडप्पाडी के पलानीस्वामी ने कहा कि पोंगल को दुनिया भर में तमिल लोग इस विश्वास के साथ मनाते हैं कि 'थाईलैंड नई शुरुआत लेकर आता है'। परंपरागत रूप से पोंगल एक ग्रामीण त्योहार था, लेकिन अब इसे शहरी क्षेत्रों में भी उतने ही उत्साह से मनाया जाता है। लगभग 65 प्रतिशत आबादी अभी भी अपनी आजीविका के लिए कृषि पर निर्भर है। पलानीस्वामी ने कहा कि पार्टी के संस्थापक एमजीआर और जयललिता के निधन के बाद, एआईएडीएमके ने कई कल्याणकारी

योजनाओं को सफलतापूर्वक लागू किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की प्रशंसा करते हुए, पलानीस्वामी ने कहा कि भारत केन्द्र में एक मजबूत सरकार देख रहा है और मोदी को विश्व स्तर पर एक सफल प्रधानमंत्री के रूप में सराहा जा रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि एआईएडीएमके जल्द ही विजय का झंडा फहराएगी। डीएमके सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए पलानीस्वामी ने आरोप लगाया कि तमिलनाडु विरोध प्रदर्शनों का राज्य बन गया है, जहां सरकारी कर्मचारी, शिक्षक और नर्स प्रशासन के खिलाफ आंदोलन कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि सरकार के प्रति जनता की असंतुष्टि व्यापक है और कहा कि एआईएडीएमके सत्ताधारी दल के रूप में अगला पोंगल मनाएगी।

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव की आहट, बदली सियासी करवट

उत्तर भारत पर टिप्पणी को लेकर गरमाई सियासत

- » डीएमके सरकार पर चौतरफा वार
- » भाजपा व एआईडीएमके ने कसी कमर
- » कई मुद्दों को धार देने की तैयारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु में जैसे-जैसे विस चुनाव की आहट सुनाई दे रही है। वहां की सियासत में तेजी आ गई है। जहां डीएमके सरकार पर एआईडीएमके व भाजपा हमलावर हो गई है। वैसे ही डीएमके भी जनता को लुभाने के लिए सरकारी खजाने से पैसे देने की तैयारी कर रही है।

इस बीच डीएमके नेता दयानिधि मारन के उत्तर भारतीयों के बारे में दिए बयान पर भी घमासान मच गया है। बीजेपी इस मुद्दे पर डीएमके को घेरने के साथ विस चुनाव में इस पर शोर शराबा करने की तैयारी कर रही है। उधर वासुदेवनल्लूर में भव्य पोंगल उत्सव मनाते हुए भाजपा नेता अन्नामलाई ने कहा कि शेनबागवल्ली बांध के जीर्णोद्धार की लंबे समय से चली आ रही मांग भी पूरी नहीं हुई है, जबकि खनिज संसाधनों की अवैध तस्करी बढ़ रही है। मारन की टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा ने कहा कि डीएमके सांसद को भारत की जनता, विशेष रूप से उत्तरी राज्यों के लोगों से माफी मांगनी चाहिए, जिन्होंने कथित तौर पर पिछड़ा, अशिक्षित और असभ्य बताया है।



डीएमके सांसद दयानिधि के उत्तरी भारत में लड़कियों की स्थिति पर टिप्पणी से बवाल

डीएमके सांसद दयानिधि मारन की उत्तर भारतीय लड़कियों पर की गई टिप्पणी को लेकर राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है, जिस पर भाजपा ने कड़ी आपत्ति जताते हुए इसे हिंदी भाषी लोगों का अपमान बताया है और मारन से तत्काल माफी की मांग की है। भाजपा ने डीएमके सांसद दयानिधि मारन से उत्तरी भारत में लड़कियों की स्थिति पर उनकी टिप्पणी के लिए बिना शर्त माफी मांगने की मांग की और उन पर हिंदी भाषी राज्यों और वहां के लोगों के बारे में अपमानजनक टिप्पणी करने का आरोप लगाया। राज्य के



उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने उलगम उंगल कैथिल योजना के तहत कायद-ए-मिल्लत सरकारी महिला महाविद्यालय की छात्राओं को लैपटॉप

वितरित किए। उन्होंने छात्राओं की सामाजिक जिम्मेदारी की सराहना की और महाविद्यालय के लंबे इतिहास और बालिका शिक्षा में योगदान को रेखांकित किया। मारन ने कहा कि हमारी छात्राओं को गर्व होना चाहिए, और हमें उन पर गर्व है। इसीलिए हम चाहते हैं कि लड़कियां पढ़ाई करें। उत्तरी राज्यों में अक्सर लड़कियों को नौकरी करने से मना किया जाता है और उन्हें घर पर रहकर घरेलू काम करने को कहा जाता है, लेकिन यहां हम चाहते हैं कि हमारी लड़कियां पढ़ाई करें और आगे बढ़ें।

शाह से मिलने के बाद उत्साह में पलानीस्वामी

इससे पहले, पलानीस्वामी ने नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की और उन्हें तमिलनाडु की मौजूदा राजनीतिक स्थिति से अवगत करवाया। पत्रकारों से बात करते हुए, एआईडीएमके नेता ने कहा कि चर्चा में राज्य में डीएमके के शासन को समाप्त करने और अगले विधानसभा चुनावों में एनडीए के बैनर तले सरकार बनाने की संभावनाओं पर बात हुई। मैसे उनसे तमिलनाडु की राजनीतिक स्थिति के बारे में बात की और डीएमके शासन के अंत पर चर्चा की। एआईडीएमके कई पार्टियों

के साथ गठबंधन के लिए बातचीत कर रही है, और हम गठबंधन के साथ मिलकर तमिलनाडु में सरकार बनाएंगे। उन्होंने डीएमके के सत्ता में आने के बाद से अपराध में तेजी से वृद्धि का भी आरोप लगाया और दावा किया कि मौजूदा सरकार के तहत महिलाओं और बच्चों की कोई सुरक्षा नहीं है। पलानीस्वामी ने कहा कि शाह ने उन्हें आश्वासन दिया कि वे एआईडीएमके के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं करेंगे और दोहराया कि पार्टी में पूर्व मुख्यमंत्री ओ पनीरसेल्वम के लिए कोई जगह नहीं है।

मारन को माफी मांगनी होगी : भाजपा

भाजपा ने कहा कि उन्हें भारत की जनता, विशेषकर हिंदी भाषी लोगों से माफी मांगनी होगी, जिन्होंने वे अशिक्षित और असभ्य कहे हैं। यह विवाद चेन्नई के कायद-ए-मिल्लत सरकारी महिला महाविद्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में मारन द्वारा की गई टिप्पणियों से उत्पन्न है। मारन ने कहा था कि तमिलनाडु भारत का सर्वश्रेष्ठ राज्य है और एमके स्टालिन भारतीय राज्यों में सर्वश्रेष्ठ मुख्यमंत्री हैं। यह द्रविड़ आदर्श सरकार है और हमारे परिवार ने ही हमारे राज्य में द्रविड़वाद को प्रचलित किया था। उन्होंने लड़कियों की शिक्षा पर जोर दिया था और हमारे मुख्यमंत्री उनकी शिक्षाओं पर काम कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि हमारी छात्राओं को गर्व होना चाहिए और हमें उन पर गर्व है। इसीलिए हम चाहते हैं कि हमारी बेटियां पढ़ें। उत्तर भारतीय राज्यों में लड़कियों को नौकरी करने से मना किया जाता है, उन्हें घर में रहकर घरेलू काम करने के लिए कहा जाता है, लेकिन हम चाहते हैं कि हमारी बेटियां पढ़ें।

पीएम मोदी के तमिलनाडु दौरे से पहले भाजपा व एआईडीएमके के बीच हुई बैठक

पीएम मोदी के तमिलनाडु दौरे से पहले, राज्य बीजेपी प्रमुख नैनार नागेंद्रन और एआईडीएमके नेता पलानीस्वामी के बीच हुई सफल बैठक आगामी विधानसभा चुनावों के लिए एनडीए गठबंधन को मजबूत करने का स्पष्ट संकेत है। इस मुलाकात का मुख्य उद्देश्य पीएम के कार्यक्रम की योजना बनाना और डीएमके के खिलाफ एक संयुक्त राजनीतिक रणनीति तैयार करना था। तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन ने कहा कि एआईडीएमके महासचिव और पूर्व मुख्यमंत्री एडप्पाडी के पलानीस्वामी के साथ हुई बातचीत सुचारु रूप से संपन्न हुई और सफलतापूर्वक समाप्त हुई। चेन्नई स्थित पलानीस्वामी के आवास पर उनसे मुलाकात के बाद नैनार नागेंद्रन ने पत्रकारों से कहा कि बातचीत सुचारु रूप से हुई और सफल रही।



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इस महीने के अंत में तमिलनाडु यात्रा से पहले, हमने विचार-विमर्श किया। हमने इस बात पर चर्चा की कि प्रधानमंत्री का कार्यक्रम चेन्नई में आयोजित किया जाए या मदुरै में। यह बैठक राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि यह तमिलनाडु में विधानसभा चुनावों से पहले राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन

(एनडीए) को मजबूत करने के नए प्रयासों के बीच हुई है, जो इस वर्ष की पहली छमाही में होने वाले हैं। हालांकि नागेंद्रन ने गठबंधन की गतिशीलता पर सीधे तौर पर कोई टिप्पणी नहीं की, लेकिन उनके बयानों ने प्रमुख राजनीतिक और संगठनात्मक मामलों पर भाजपा और एआईडीएमके के बीच चल रहे समन्वय को रेखांकित किया।

डीएमके सरकार ने जनता को धोखा दिया : अन्नामलाई

भारतीय जनता पार्टी के नेता के. अन्नामलाई ने डीएमके के नेतृत्व वाली तमिलनाडु सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि सरकार ने जनता से किए गए वादों को पूरा न करके उन्हें धोखा दिया है। तेनकासी जिले के वासुदेवनल्लूर में भव्य पोंगल उत्सव मनाते हुए अन्नामलाई ने कहा कि शेनबागवल्ली बांध के जीर्णोद्धार की लंबे समय से चली आ रही मांग भी पूरी नहीं हुई है, जबकि खनिज संसाधनों की अवैध तस्करी बढ़ रही है। मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन के नेतृत्व वाली सरकार की प्रशासनिक विफलताओं को उजागर करते हुए उन्होंने यह भी बताया कि इस मुद्दे पर निष्क्रियता के कारण डीएमके के एक पदाधिकारी ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। अन्नामलाई ने एक्स पर पोस्ट किया, डीएमके सरकार शेनबागवल्ली बांध के जीर्णोद्धार की लंबे समय से चली आ रही मांग सहित जनता से किए गए वादों को पूरा न करके उन्हें धोखा दे रही है। वहीं दूसरी ओर, केंद्र में स्थित भाजपा सरकार ने पुलियानकुडी नींबू को भौगोलिक संकेत की मान्यता दे दी है। अवैध तस्करी के बारे में बात करते हुए, अन्नामलाई ने

कहा कि तेनकासी से केरल में खनिज संसाधनों की अवैध तस्करी बढ़ रही है। डीएमके सरकार की इस पर अंकुश लगाने में असमर्थता से डीएमके के एक पदाधिकारी इतने निराश हुए हैं कि उन्होंने पार्टी पद से इस्तीफा दे दिया है, जो मुख्यमंत्री की प्रशासनिक विफलता को दर्शाता है। अन्नामलाई ने जनता से एकता का आह्वान किया और कहा कि तेनकासी के लोगों को मिट्टी से जड़े राष्ट्रवादी विचारक को विधानसभा में भेजना चाहिए। उन्होंने पोंगल पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सूर्य और पंच तत्वों का सम्मान करने वाले इस भव्य पोंगल पर्व पर, मैं सर्वशक्तिमान ईश्वर की कृपा से सभी प्राणियों के कल्याण और समृद्धि की हार्दिक कामना करता हूं। इससे पहले, तिरुनेलवेली जिले के डीएमके नेता चंद्रशेखर ने खनिज तस्करी पर निष्क्रियता का आरोप लगाते हुए पार्टी पद से इस्तीफा दे दिया और पार्टी की सदस्यता त्याग दी।





Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

स्वामी विवेकानंद के उपदेशों पर अमल करना भी आवश्यक

66

आज स्वामी विवेकानंद के उपदेशों पर अमल करना भी आवश्यक है। युवा वर्ग सही मार्ग से न भटके, इसके लिए युवा शक्ति को जागृत कर उसे देश के प्रति कर्तव्यों का बोध कराते हुए सही दिशा में प्रेरित एवं प्रोत्साहित करना और उचित मार्गदर्शन बेहद महत्वपूर्ण है।

वर्तमान में भारत के युवाओं को स्वामी विवेकानंद से सीखना चाहिए। आज समाज में चारों तरफ अपराधों तथा भ्रष्टाचार का जो मकड़जाल फैल चुका है, वह घुन बनकर न सिर्फ देश को अंदर ही अंदर खोखला कर रहा है बल्कि युवा वर्ग भी भ्रष्टाचार और बेरोजगारी के इस दूषित माहौल में हताश व निराश है। आज स्वामी विवेकानंद के उपदेशों पर अमल करना भी आवश्यक है। युवा वर्ग सही मार्ग से न भटके, इसके लिए युवा शक्ति को जागृत कर उसे देश के प्रति कर्तव्यों का बोध कराते हुए सही दिशा में प्रेरित एवं प्रोत्साहित करना और उचित मार्गदर्शन बेहद महत्वपूर्ण है। ऐसे में राष्ट्रीय युवा दिवस की प्रासंगिकता बहुत बढ़ जाती है, जो प्रतिवर्ष स्वामी विवेकानंद की जयंती के अवसर पर 12 जनवरी को मनाया जाता है। हमें भूलना नहीं चाहिए कि देश की आजादी की लड़ाई में अपना सब कुछ बलिदान कर लोगों में क्रांति का बीजारोपण करने वाले अधिकांश युवा ही थे।

स्वामी विवेकानंद, भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, सुखदेव, राजगुरु इत्यादि देश के अनेक युवाओं ने देश की आन-बान और शान के लिए अपने निजी जीवन के समस्त सुखों का त्याग कर दिया था और अपना समस्त जीवन देश के लिए न्यौछावर कर दिया था लेकिन आधुनिक युग में हम स्वार्थी बनकर ऐसे क्रांतिकारी युवाओं को जीवन गाथाओं को भूल रहे हैं और हम सब धीरे-धीरे भ्रष्ट तंत्र का हिस्सा बन रहे हैं। ऐसे ही क्रांतिकारी युवा महापुरुषों की जीवन गाथाओं के जरिये देश की युवा पीढ़ी को समाज में व्याप्त गंदगी से बचाकर देश के विकास में उसका सदुपयोग किया जा सके, इसी उद्देश्य से आधुनिक भारत के महान चिंतक, दार्शनिक, समाज सुधारक, युवा सन्यासी स्वामी विवेकानंद की जयंती 12 जनवरी को ही प्रतिवर्ष 'राष्ट्रीय युवा दिवस' के रूप में मनाया जाता है, जो बहुत कम आयु में अपने विचारों के चलते समस्त जगत में अपनी एक विशेष पहचान बनाने में सफल हुए थे। स्वामी विवेकानंद सही मायनों में युवाओं के प्रेरणास्रोत और आदर्श व्यक्तित्व के धनी थे, जिन्हें उनके ओजस्वी विचारों और आदर्शों के कारण ही जाना जाता है। विवेकानंद सदैव कहा करते थे कि उनकी आशाएं देश के युवा वर्ग पर ही टिकी हुई हैं। वे आधुनिक मानव के आदर्श प्रतिनिधि थे और खासकर भारतीय युवाओं के लिए उनसे बढ़कर भारतीय नवजागरण का अग्रदूत अन्य कोई नेता नहीं हो सकता। अपने 39 वर्ष के छोटे से जीवनकाल में स्वामी जी अलौकिक विचारों की ऐसी बेशकीमती पूंजी सौंप गए, जो आने वाली अनेक शताब्दियों तक समस्त मानव जाति का मार्गदर्शन करती रहेगी। उनका कहना था कि मेरी भविष्य की आशाएं युवाओं के चरित्र, बुद्धिमत्ता, दूसरों की सेवा के लिए सभी का त्याग और आज्ञाकारिता, खुद को और बड़े पैमाने पर देश के लिए अच्छा करने वालों पर निर्भर है।

Sanjay

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

चिंता बढ़ाते जंगली जानवरों के हमले

वीरेंद्र कुमार पैन्थूली

आज पूरी दुनिया बढ़ते वन्यजीव-मानव संघर्ष से चिंतित है, जिसे वैज्ञानिक जलवायु परिवर्तन से जुड़ी वैश्विक और स्थानीय परिस्थितियों से जोड़ते हैं। हाल ही में केंद्रीय वन, पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन मंत्री की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में भी यह मुद्दा उठाया गया। इसमें बताया गया कि हिमालयी क्षेत्रों में वन्यजीवों का आबादी वाले क्षेत्रों में आना बढ़ा है, जिससे संघर्ष भी बढ़ रहा है। सुझाव दिया गया कि संवेदनशील क्षेत्रों में वैज्ञानिक अध्ययन कर इन टकरावों का मूल कारण जानकर समाधान किया जाए। इसके बाद, उत्तराखंड सरकार ने पौड़ी गढ़वाल में बढ़ते वन्यजीव-मानव संघर्ष का संज्ञान लिया और जिला प्रशासन तथा वनविभाग को गश्त बढ़ाने और बच्चों के लिए एस्कॉर्ट व्यवस्था करने के निर्देश दिए।

इसके साथ ही यह भी माना कि वन्यजीवों से लोगों की सुरक्षा प्राथमिक जिम्मेदारी है। फिर भी, पिछले साल दिसम्बर माह में लगभग प्रतिदिन जंगली जानवर बस्तियों में आम जन को हताहत करते रहे। दिसम्बर माह में ही टिहरी जिले में चारा काटते एक ग्रामीण और जिला चमोली में आंगन में खाना पकाती एक महिला पर भालू ने हमला किया। बच्चे और घास-चारा लाती महिलाएं इन हमलों का ज्यादा शिकार हो रही हैं। अधिकतर काले भालुओं का हमला हो रहा है। अपने साथियों को बचाने के लिए छात्र-छात्राएं भालू से भिड़ भी रहे हैं। इस प्रकार की घटनाओं के मध्यनजर अलग-अलग जगहों में हालातों के अनुसार स्कूल टाइमिंग बदली जा रही हैं। लंबी अवधि के लिए स्कूल बंद भी किए जा रहे हैं। अब तो देहरादून में सहसपुर ब्लॉक विद्यालय में भी भालू की पहुंच हो गई है। थानो क्षेत्र में एक महिला जो घास लेने गई थी, उस पर भालू ने आक्रमण किया। वन अधिकारियों के अनुसार यह अपने तरह की पहली घटना थी। थानो क्षेत्र में ही

हाथी ने पिछले माह ही मां-पिता के बीच स्कूटी में बैठे बच्चे को पटक कर मार दिया था। डीएम ने त्वरित रिस्पोन्स ग्रुप बनाया है। नियमित निगरानी, सेंसर-बेस्ड तेज आवाज करने वाले उपकरण, सोलर लाइट, कैमरे, फोकस मॉनिटरिंग के विकल्प भी अपनाए जा रहे हैं।

वहीं 26 दिसम्बर को गढ़वाल में उखीमठ में ओंकारेश्वर मंदिर के निकट दोपहर करीब तीन बजे जंगल की ओर से आए भालू ने घास काटती महिला को गंभीर रूप से लहलुहान किया। 26 दिसम्बर को ही नैनीताल जिले के तोक धुरा में एक महिला पर गुलदार ने हमला



कर मार डाला। महिला का शव काफी दूर मिला था। चार-पांच दिनों तक भी गुलदार को नहीं पकड़ा जा सका था। दिसम्बर माह में अधिकतर हमले विशेषकर भालुओं द्वारा किए गए। इस साल भालू के हमले से छह लोग मारे गये। उत्तराखंड में पिछले बीस सालों में भालुओं और मानवों के बीच संघर्ष की 1630 घटनाएं हुई हैं और यह लगातार बढ़ रही हैं। पिछले पच्चीस सालों में राज्य में काले भालुओं ने 2009 लोगों पर हमले किए हैं। वन विभाग ने 2021 में तय किया था कि जीपीएस युक्त रेडियो कॉलर टैग लगाने का निर्णय लिया जाएगा। तब तक करीब 60 मौतें हो चुकी थीं। यह कार्य वाइल्ड लाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया को सौंपा गया था। उन्होंने पहले चार भालुओं को इसके लिए चिन्हित किया है, जो रुद्रप्रयाग, पौड़ी और चमोली में आतंक बने हुए हैं। वर्तमान में राज्य में करीब 500 भालू हैं, जिनकी गतिविधियों पर मानव निगरानी रखी जा रही है। इससे पहले,

लेपर्ड, टाइगर और हाथियों पर भी इसी प्रकार की निगरानी की जाती रही है। भालू अधिकतर खाने की तलाश में रहता है और उसकी याददाश्त बहुत अच्छी होती है। अमेरिका, अफ्रीका और यूरोप में भालुओं के लिए कूड़े के बिन विशेष रूप से डिजाइन किए गए हैं, ताकि वे उनमें न खेल सकें। अब उनका हाइबरनेशन समय भी कम हो गया है। पिछले 25-30 सालों में शहरीकरण और बढ़ते कूड़े के कारण भालुओं का सोने का समय घटकर करीब 64 दिन रह गया है, जो पहले दिसम्बर से मार्च तक हुआ करता था। जब कूड़ा सड़ता है, तो उसके

गंध से भालू आकर्षित होते हैं। खुले में पड़ा कूड़ा, विशेषकर गांवों, नगरों और जंगली क्षेत्र के पास के स्थलों में भालुओं को आकर्षित करता है, और इस वजह से वे बस्तियों में घुस आते हैं।

इधर, मानव बस्तियां वन्यजीवों के अधिवासों के बहुत पास तक पहुंच गई हैं। इसके कारण जानवर अब आसानी से उनकी फसलों, पशुओं और संपत्तियों को नुकसान पहुंचाने की स्थिति में आ गए हैं। जलवायु परिवर्तन से वन्यजीवों को होने वाली समस्याओं का भी समाधान ढूंढना चाहिए, जिससे वन्य पशुओं के हमले कम हो सकें। अधिकतर जानवर, चाहे शाकाहारी हों या मांसाहारी, जंगलों से गांवों, नगरों और महानगरों तक अकेले या झुंडों में हमले कर रहे हैं, मुख्य रूप से खाने की तलाश में। घरों, खेतों और खुले में होने वाले हमले डर पैदा करते हैं, साथ ही मानव, पशुधन और खेती-बाग-बगीचों की फसलों को भारी नुकसान भी पहुंचा रहे हैं।

नरेंद्र मोदी

कुछ दिन पहले ही मुझे सोमनाथ की पवित्र भूमि पर सोमनाथ स्वाभिमान पर्व में हिस्सा लेने का सुअवसर मिला। इस पर्व को हम वर्ष 1026 में सोमनाथ पर हुए पहले आक्रमण के एक हजार साल पूरे होने पर मना रहे हैं। इस क्षण का साक्षी बनने को देश के कोने-कोने से लोग सोमनाथ पहुंचे। यह इस बात का प्रमाण है कि भारतवर्ष के लोग जहां अपने इतिहास और संस्कृति से गहराई से जुड़े हैं, वहीं कभी हार न मानने वाला साहस भी उनके जीवन की बड़ी विशेषता है। यही भावना उन्हें एक साथ जोड़ती भी है। इस कार्यक्रम के दौरान मेरी मुलाकात कुछ ऐसे लोगों से भी हुई, जो इससे पहले सौराष्ट्र-तमिल संगमम के दौरान सोमनाथ आए थे और इससे पहले काशी-तमिल संगमम के समय काशी भी गए थे। ऐसे मंचों को लेकर उनकी सकारात्मक सोच ने मुझे बहुत प्रभावित किया। मैंने तय किया कि क्यों ना इस विषय पर अपने कुछ विचार साझा करूं।

'मन की बात' के एक एपिसोड में मैंने कहा था कि अपने जीवन में तमिल भाषा न सीख पाने का मुझे बहुत दुख है। हमारा सौभाग्य है कि बीते कुछ वर्षों से हमारी सरकार तमिल संस्कृति को देश में और लोकप्रिय बनाने में निरंतर जुटी है। यह 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को और सशक्त बनाने वाला है। हमारी संस्कृति में संगम का बहुत महत्व है। इस पहलू से भी काशी-तमिल संगमम एक अनूठा प्रयास है। इसमें जहां भारत की विविध परंपराओं के बीच अद्भुत सामंजस्य दिखता है, वहीं पता चलता है कि कैसे हम एक-दूसरे की परंपराओं का सम्मान करते हैं। काशी तमिल संगमम के आयोजन के लिए काशी सबसे उपयुक्त स्थान कहा

विविधता में भारत की एकता का उत्सव

जा सकता है। यह वही काशी है, जो अनादि काल से हमारी सभ्यता की धुरी बनी है। यहां हजारों वर्षों से लोग ज्ञान, जीवन के अर्थ और मोक्ष की खोज में आते रहे हैं। काशी का तमिल समाज और संस्कृति से गहरा नाता रहा है। काशी बाबा विश्वनाथ की नगरी है, तो तमिलनाडु में रामेश्वरम तीर्थ है।

तमिलनाडु की तेनकासी को दक्षिण की काशी या दक्षिण काशी कहा जाता है। पूज्य कुमारगुरुपरस्वामिजि ने अपनी विद्वता और आध्यात्म परंपरा के माध्यम से काशी और तमिलनाडु के बीच सशक्त और स्थायी संबंध स्थापित किया था। तमिलनाडु के महान सपूत महाकवि सुब्रमण्यम भारती जी को भी काशी में बौद्धिक विकास और आध्यात्मिक जागरण का अद्भुत अवसर दिखा। यहीं उनका राष्ट्रवाद और प्रबल हुआ, साथ ही उनकी कविताओं को एक नई धार मिली। यहीं पर स्वतंत्र और अखंड भारत की उनकी संकल्पना को स्पष्ट दिशा मिली। कई उदाहरण हैं, जो काशी व तमिलनाडु के बीच गहरे आत्मीय संबंध दर्शाते हैं। वर्ष 2022 में वाराणसी की धरती पर काशी-तमिल संगमम की



शुरुआत हुई थी। मुझे इसके उद्घाटन समारोह में शामिल होने का सौभाग्य मिला था। तब तमिलनाडु से आए लेखकों, विद्यार्थियों, कलाकारों, विद्वानों, किसानों और अतिथियों ने काशी के साथ-साथ प्रयागराज और अयोध्या के दर्शन भी किए। इसके बाद के आयोजनों में इस पहल को और विस्तार दिया गया। इसका उद्देश्य था कि संगमम में समय-समय पर नए विषय जोड़े जाएं, नए और रचनात्मक तरीके अपनाए जाएं व इसमें लोगों की भागीदारी ज्यादा से ज्यादा हो।

ये आयोजन अपनी मूल भावना से जुड़े रहकर भी निरंतर आगे बढ़ता रहे। वर्ष 2023 के दूसरे आयोजन में टेक्नोलॉजी का बड़े पैमाने पर उपयोग किया गया, ताकि सुनिश्चित हो कि भाषा इसमें बाधा न बने। इसके तीसरे संस्करण में इंडियन नॉलेज सिस्टम पर विशेष फोकस रखा गया। साथ ही शैक्षिक संवादों, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, प्रदर्शनियों और संवाद सत्रों में लोगों की बड़ी भागीदारी नजर आयी। हजारों लोग इनका हिस्सा बने। काशी-तमिल संगमम का चौथा संस्करण 2 दिसंबर, 2025 को आरंभ हुआ। इस बार की थीम

बहुत रोचक थी- तमिल करकलम यानि तमिल सीखें। इससे काशी और दूसरी जगहों के लोगों को खूबसूरत तमिल भाषा सीखने का अनूठा अवसर मिला। तमिलनाडु से आए शिक्षकों ने काशी के विद्यार्थियों के लिए इसे अविस्मरणीय बना दिया! प्राचीन तमिल साहित्य ग्रंथ तोलकाप्पियम का चार भारतीय और छह विदेशी भाषाओं में अनुवाद किया गया। तेनकासी से काशी तक पहुंची विशेष व्हीकल एक्सपेडिशन भी देखने को मिली। इसके अलावा काशी में स्वास्थ्य शिविरों और डिजिटल लिटरेसी कैंप आयोजन के साथ ही कई और सराहनीय प्रयास किए गए। इस अभियान में सांस्कृतिक एकता के संदेश का प्रसार करने वाले पांड्य वंश के महान राजा आदि वीर पराक्रम पांडियन को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

पूरे आयोजन के दौरान नमो घाट पर प्रदर्शनियां लगाई गईं, बीएचयू में शैक्षणिक सत्र का आयोजन हुआ, साथ ही विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम भी हुए। काशी-तमिल संगमम में इस बार जिस चीज ने मुझे सबसे अधिक प्रसन्नता दी, वो हमारे युवा साथियों का उत्साह है। इससे अपनी जड़ों से और अधिक जुड़े रहने के उनके पैशन का पता चलता है। उनके लिए ये ऐसा अद्भुत मंच है, जहां वे विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के जरिए अपनी प्रतिभा दिखा सकते हैं। संगमम के अलावा काशी की यात्रा भी यादगार बने, इसके लिए विशेष प्रयास किए गए। भारतीय रेल ने लोगों को तमिलनाडु से उत्तर प्रदेश ले जाने के लिए विशेष ट्रेनें चलाई। इस दौरान कई रेलवे स्टेशनों पर, विशेषकर तमिलनाडु में उनका उत्साह बढ़ाया गया। सुंदर गीतों और आपसी चर्चाओं से ये सफर और आनंददायक बना।

थकान- कमजोरी रहेगी कोसों दूर



सुधार करता है और अपनी हाई फाइबर सामग्री के कारण आंतों को स्वस्थ रखने में भी मदद करता है।

छोटे बेर

छोटे बेर विटामिन सी का एक और शानदार स्रोत हैं। इसे जुजुबे या देसी बेर भी कहा जाता है। ठंड के मौसम में ये बेर लगने लगते हैं और ये आमतौर पर खेत या जंगलों में होते हैं। सर्दी-जुकाम और खांसी से बचाव के लिए यह फल बहुत कारगर है। बेर में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स शरीर की कोशिकाओं को फ्री रेडिकल्स से होने वाले नुकसान से बचाते हैं। इसके अलावा यह फल पाचन में सुधार करता है और अपनी हाई फाइबर सामग्री के कारण आंतों को स्वस्थ रखने में भी मदद करता है।



सिंघाड़ा

सिंघाड़ा सर्दियों के दौरान शरीर को आंतरिक शक्ति देता है। यह फल पोटेशियम और कार्बोहाइड्रेट का बेहतरीन स्रोत है, जो ऊर्जा को बढ़ाता है। यह डिहाइड्रेशन से बचाता है, जो अक्सर सर्दियों में पानी कम पीने से देखने को मिलता है। सिंघाड़ा वजन नियंत्रण में भी सहायक है और यह त्वचा तथा बालों के स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी माना जाता है। इसे उबालकर या कच्चा खाया जा सकता है। उबले हुए सिंघाड़े आपके शरीर को नेचुरली डिटॉक्स करने में मदद करते हैं। यह आपके शरीर और रक्त में मौजूद गंदगी, हानिकारक पदार्थ और टॉक्सिन्स को बाहर निकालते हैं। यह आपके खून को साफ करने में भी मदद करते हैं। जिससे यह त्वचा की कई समस्याओं जैसे कील-मुंहासे, दाग-धब्बे आदि दूर करने और आपको साफ-दमकती त्वचा पाने में मदद करते हैं।



शरीफा

शरीफा सर्दियों का एक बेहतरीन फल है। इसे सीताफल के नाम से भी जाना जाता है। यह नेचुरल शुगर और फाइबर से भरपूर होता है, जो शरीर को तुरंत ऊर्जा प्रदान करता है और दिनभर सक्रिय बनाए रखता है। शरीफा में आयरन और विटामिन सी भी अच्छी मात्रा में होते हैं। यह आयरन की कमी (एनीमिया) को दूर करने में सहायक है और विटामिन सी इम्यूनिटी को बूस्ट करता है। इसे खाने से कब्ज की समस्या भी दूर होती है। इसलिए फल के तौर पर ये आपके सेहत के लिए सबसे अच्छा विकल्प है। सीताफल को कई तरह से खाया जा सकता है। इसे सालाद, स्मूदी और शेक बनाकर भी पीया जा सकता है। सीताफल नियमित खाने से शरीर का वजन बढ़ता है। सीताफल खाने से शरीर को इंस्टैंट एनर्जी मिलने के साथ वजन बढ़ाने में मदद करता है। अगर आप थका हुआ फील कर रहे हैं, तो एक सीताफल जरूर खा कर देखिए।



संतरा

सर्दियों का मौसम आते ही हर व्यक्ति को संतरा जरूर खाना चाहिए। इससे आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है। संतरा में भरपूर मात्रा में विटामिन सी होता है, जो आपकी इम्यूनिटी मजबूत करता है और मौसमी संक्रमणों से बचाता है। यह एंटीऑक्सीडेंट्स और फाइबर से भी भरपूर होता है, जो पाचन को ठीक रखता है। इसलिए रोज एक संतरा खाना या इसका जूस पीने से न केवल आप तरोताजा महसूस करते हैं, बल्कि यह आपकी त्वचा की चमक को बनाए रखने में भी मदद करता है। आपको जानकर हैरानी होगी कि अगर आप रोजाना सिर्फ 1 मीडियम साइज का संतरा खाते हैं, तो इससे आपके शरीर की दैनिक जरूरत का 72 प्रतिशत विटामिन सी आपको मिल जाता है। ये विटामिन सी एक तरह से एंटीऑक्सीडेंट का काम करता है और शरीर में डैमेज सेल्स को रिपेयर करने के साथ-साथ फ्री रेडिकल्स से लड़ता है। सामान्य खांसी, जुकाम और इंफेक्शन में भी संतरा खाना फायदेमंद साबित हो सकता है।

सर्दियों के मौसम के दौरान शरीर को अंदर से गर्म और ऊर्जावान बनाए रखना बहुत जरूरी है। ऐसे में आप अपने ही बाजारों में मिलने वाले सस्ते और मौसमी देसी फलों को डाइट में शामिल करना चाहिए। ये फल न केवल आसानी से उपलब्ध होते हैं, बल्कि इनमें पोषक तत्वों का एक ऐसा खजाना छिपा होता है जो खास तौर पर ठंडे मौसम के लिए ही बने हैं। कुछ फल ऐसे होते हैं जो आसानी से उपलब्ध होने के साथ सस्ते भी होते हैं, लेकिन लोग इन फलों को बहुत हल्के में लेते हैं। बता दें ऐसे ही चार फल हैं, जिनमें विटामिन्स, मिनेरल्स और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर मात्रा में होते हैं। ये हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता को तेजी से बढ़ाते हैं, शरीर को तुरंत ऊर्जा प्रदान करते हैं और मौसमी बीमारियों से लड़ने में सहायता करते हैं। इन फलों को रोजाना सेवन करने से आप पूरे मौसम तरोताजा और एनर्जेटिक महसूस करेंगे।



हंसना मना है

मैडम दूध वाले से.. छोरे पैंतीस साल का होने को आया, अब तो शादी कर ले! दूध वाला नहीं-नहीं! मैडम क्यों? क्या हुआ? दूध वाला मैं रोज सुबह पांच बजे उठ कर घरों में दूध देने जाता हूँ, उस वक्त इन औरतों का ओरिजिनल चेहरा देख कर मेरी तो शादी करने कि हिम्मत ही नहीं होती?

रमेश के पास रात को सांताक्लॉज आया और बोला- कोई विश मांगो, रमेश बोला- मेरी बीवी झगड़ा बहुत करती है कोई दूसरी बीवी दिलवा दो, सांताक्लॉज ने रमेश को बहुत मारा, फिर पता चला रमेश की बीवी ही सांताक्लॉज बन के आयी थी, सावधान रहें, सतर्क रहे?

बंता ने हजामत की दुकान खोली। एक ग्राहक शेव कराने आया। बंता- मूँछ रखनी है? ग्राहक- हां। बंता ने ग्राहक की मूँछ काट कर उसके हाथ में देते हुए बोला- लो रख लो, जहां रखनी है।

भिखारी- ऐ भाई एक रुपया देदे, मैं तीन दिन से भूखा हूँ। राहगीर- तीन दिन से भूखा है तो एक रुपया का क्या करेगा... भिखारी- वजन तोलूंगा कितना घटा है..

कहानी

बंदर और लकड़ी का खूंटा

एक शहर से थोड़ी दूर में एक मंदिर बनाया जा रहा था। मंदिर के निर्माण में लकड़ियों का इस्तेमाल किया जा रहा था। लकड़ियों के काम के लिए शहर से कुछ मजदूर आए हुए थे। सारे मजदूर रोज दोपहर का खाना खाने के लिए शहर जाया करते थे। उस दौरान एक घंटे तक वहां कोई भी नहीं रहता था। एक दिन दोपहर के खाने का समय हुआ, तो सभी जाने लगे। एक मजदूर ने लकड़ी आधी ही चीरी थी। इसलिए, वह बीच में लकड़ी का खूंटा फंसा देता है, ताकि दोबारा चीरने के लिए आरी फंसाने में आसानी हो। उनके जाने के कुछ समय बाद बंदरों का एक समूह वहां आ जाता है। उस समूह में एक शरारती बंदर था, जो वहां पड़ी चीजों को उल्टा-पुल्टा करने लगा। बंदरों के सरदार ने सभी को वहां रखी चीजों को छेड़ने से मना किया। कुछ समय बाद सारे बंदर पेड़ों की तरफ वापस जाने लगे, तो वह शरारती बंदर सबसे बचकर पीछे रह जाता है और उधम मचाने लगता है। शरारत करते-करते उसकी नजर उस अधचिरे लकड़ी पर पड़ती है, जिस पर मजदूर ने लकड़ी का खूंटा लगाया था। खूंटे को देखकर बंदर सोचने लगा कि उस लकड़ी को वहां पर क्यों लगाया है, उसे निकालने पर क्या होगा। फिर वह उस खूंटे को बाहर निकालने के लिए खींचने लगता है। बंदर के अधिक जोर लगाने पर वह खूंटा हिलने और खिसकने लगता है, जिसे देखकर बंदर खुश होता है और जोर लगाकर उस खूंटे को सरकाने लगता है। वह खूंटे को निकालने में इतना मगन हो जाता है कि उसे पता ही नहीं चलता कि कब उसकी पूंछ दोनों पाटों के बीच में आ गई। बंदर पूरी ताकत के साथ खूंटे को खींचकर बाहर निकाल देता है। खूंटा निकलते ही लकड़ी के दोनों भाग चिपक जाते हैं और उसकी पूंछ बीच में फंस जाती है। पूंछ के फंसने पर बंदर दर्द के मारे चिल्लाने लगता है और तभी मजदूर भी वहां पहुंच जाते हैं। उन्हें देखकर बंदर भागने के लिए जोर लगाता है, तो पूंछ टूट जाती है। वह चीखते हुए टूटी पूंछ लेकर भागता हुआ अपने झुंड के पास पहुंच जाता है। वहां पहुंचते ही सभी बंदर उसकी टूटी हुई पूंछ देखकर हंसने लगते हैं।

7 अंतर खोजें



पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951



मेघ

विद्यार्थी वर्ग सफलता अर्जित करेगा। पठन-पाठन में मन लगेगा। दूर यात्रा की योजना बन सकती है। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। वरिष्ठजनों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा।



वृषभ

वाणी पर नियंत्रण रखें। किसी के व्यवहार से क्लेश हो सकता है। पुराना रोग उभर सकता है। दुःखद समाचार मिल सकता है, धैर्य रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।



मिथुन

आज धन का निवेश न करें। शत्रु नतमस्तक होंगे। विवाद को बढ़ावा न दें। प्रयास सफल रहेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आय के स्रोतों में वृद्धि हो सकती है।



कर्क

लेन-देन में सावधानी रखें। शारीरिक कष्ट संभव है। परिवार में तनाव रह सकता है। शुभ समाचार मिलेंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।



सिंह

रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। स्ट्रेट व लॉटरी से दूर रहें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। कोई बड़ी समस्या से छुटकारा मिल सकता है।



कन्या

अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। किसी विवाद में उलझ सकते हैं। चिंता तथा तनाव रहेंगे। जोखिम न उठाएं।



तुला

बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। व्यापार-व्यवसाय में लाभ होगा। बेचनी रहेगी।



वृश्चिक

नई आर्थिक नीति बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। समय का लाभ लें। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। विवाद न करें।



धनु

बेचनी रहेगी। चोट व रोग से बचें। काम का विरोध होगा। तनाव रहेगा। विवाद से क्लेश संभव है। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें।



मकर

आज धन का निवेश न करें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवाद से क्लेश संभव है। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें।



कुम्भ

कष्ट, भय, चिंता व बेचनी का वातावरण बन सकता है। कोई व कचहरी के काम मनोनुकूल रहेंगे। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। जल्दबाजी न करें।



मीन

भूमि, भवन, दुकान व फैक्टरी आदि के खरीदने की योजना बनेगी। रोजगार में वृद्धि होगी। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। अपरिचितों पर अतिविश्वास न करें। प्रमाद न करें।

बॉलीवुड

मन की बात

एक्टर बनने से पहले मैं सेना में जाना चाहता था : अहान शेद्वी



सनी देओल, वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेद्वी स्टारर फिल्म 'बॉर्डर 2' 23 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। फिल्म को लेकर दर्शकों में जबरदस्त एक्साइटमेंट है। इसी बीच 12 जनवरी को फिल्म का इमोशनल गाना 'जाते हुए लम्हें' रिलीज किया गया, जिसके लॉन्च इवेंट में सुनील शेद्वी स्टेज पर भावुक हो गए थे। अब इस पूरे पल को लेकर अहान शेद्वी ने खुलकर बात की है। अहान ने बताया कि उनके पिता का स्टेज पर इमोशनल होना उनके लिए बेहद खास और गर्व भरा पल था। अहान ने कहा कि पापा के साथ एक ही स्टेज पर होना मेरे लिए बहुत इमोशनल था। पापा 'बॉर्डर' का हिस्सा थे और अब मैं 'बॉर्डर 2' में हूँ, ऐसे में इस फिल्म से हम दोनों का गहरा जुड़ाव है। बहुत से लोग नहीं जानते कि पापा असल जिंदगी में काफी भावुक इंसान हैं, इसलिए उन्हें स्टेज पर रोते देख कुछ लोगों को अजीब लगा होगा, लेकिन यही उनकी सच्ची पहचान है। अहान ने अपने बचपन की यादें शेयर करते हुए बताया कि जब 'बॉर्डर' बन रही थी, तब वह सिर्फ दो साल के थे। चार साल की उम्र में जब उन्होंने पहली बार 'बॉर्डर' देखी, तभी उनके मन में भारतीय सेना में जाने का सपना पैदा हुआ। अहान ने कहा कि एक्टर बनने से पहले उनका सपना देश की सेवा करना था और वह सेना में जाना चाहते थे। 'बॉर्डर' और 'बॉर्डर 2' की तुलना को लेकर अहान ने कहा कि फिल्म करते वक्त उन पर दबाव जरूर था, लेकिन उन्होंने खुद को पुराने मुकाबलों से दूर रखा। उन्होंने कहा कि अगर 'बॉर्डर' का प्रेशर दिमाग में रखते, तो 'बॉर्डर 2' पर सही फोकस नहीं कर पाते। अहान ने यह भी बताया कि शूटिंग के दौरान उन्हें भारतीय सैनिकों के साथ समय बिताने का मौका मिला।

पिछले साल फिल्म 'आजाद' से बॉलीवुड में अपना डेब्यू करने वाली रवीना टंडन की बेटी अभिनेत्री राशा थडानी की नई फिल्म आ रही है। इस फिल्म का नाम है 'लईकी लईका'। इस फिल्म में राशा के साथ 'मुंज्या' फेम अभिनेता अभय वर्मा प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे। मेकर्स ने फिल्म से दोनों के पोस्टर जारी कर दिए हैं। इन पोस्टर में राशा और अभय एक साथ नजर आ रहे हैं।

पिछले साल फिल्म 'आजाद' से बॉलीवुड में अपना डेब्यू करने वाली रवीना टंडन की बेटी अभिनेत्री राशा थडानी की नई फिल्म आ रही है। इस फिल्म का नाम है 'लईकी लईका'। इस फिल्म में राशा के साथ 'मुंज्या' फेम अभिनेता अभय वर्मा प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे। गुरुवार को मेकर्स ने फिल्म से दोनों के पोस्टर जारी कर दिए हैं। इन पोस्टर में राशा और अभय एक साथ नजर आ रहे हैं। फिल्म एक रोमांटिक ड्रामा है। जारी हुए पोस्टर में फिल्म के इस अनोखे नए लुक में दोनों कलाकार आधुनिक ग्रेफिटी के साथ स्ट्रीट

लईकी लईका के पोस्टर में दिखी राशा थडानी और अभय वर्मा के बीच जबरदस्त केमिस्ट्री



स्टाइल में नजर आ रहे हैं। मेकर्स ने कई पोस्टर जारी किए हैं। इनमें पहले पोस्टर में अभय वर्मा और राशा थडानी एक संकरी, धुंधली गली में एक दूसरे को गले लगाते हुए और खून से लथपथ नजर आ रहे हैं। अभय ने गहरे रंग की, टेक्सचर्ड जिप-अप जैकेट पहनी है, जिस पर फटे-पुराने निशान साफ दिख रहे हैं।

वहीं राशा ने हल्के रंग की पारंपरिक कुर्ती पहनी है जिस पर खून के छींटे लगे हैं। एक पोस्टर में अभय और राशा एक-दूसरे के कंधे पर सिर रखे हुए हैं और विपरीत दिशाओं में देख रहे हैं। दोनों के चेहरों पर खून के धब्बे नजर आ रहे हैं। मेकर्स ने दोनों के सिंगल पोस्टर भी जारी किए हैं। इसमें राशा

अपने सिर को दुपट्टे से ढके हुए हैं। उनके पीछे एक गंदी दीवार नजर आ रही है। जिस पर कई तरह के धब्बे बने हुए हैं। जबकि अभय अपने सिंगल पोस्टर में अपने हाथ से अपना मुंह छिपाए हुए हैं। इन पोस्टर को अपने इंस्टाग्राम पर साझा करते हुए फैंटम स्टूडियो ने कैप्शन में लिखा है, 'प्यार, दर्द, भरोसा।' हालांकि, अभी फिल्म की रिलीज डेट सामने नहीं आई है। सिर्फ इतना लिखा गया है कि फिल्म 2026 की गर्मियों में रिलीज होगी। फिल्म की कहानी के बारे में अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। वहीं फिल्म का नाम भी अलग तरह का है, जिससे कहानी ज्यादा नहीं खुलती है। 'लाइकी लाइका' को सोरभ गुप्ता ने लिखा और निर्देशित किया है। फिल्म की बाकी कास्ट के बारे में भी अभी तक कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

साई पल्लवी बॉलीवुड में कर रहीं डेब्यू, आमिर के बेटे संग करेंगी रोमांस

आमिर खान एक साथ कई फिल्मों प्रोड्यूस कर रहे हैं, जहां उनके प्रोडक्शन में बन रही फिल्म हैप्पी पटेल- खतरनाक जासूस आज सिनेमाघरों में दस्तक दे दी है। वहीं उन्होंने अब अपकमिंग प्रोडक्शन वेंचर एक दिन का भी ऐलान कर दिया है। यह एक रोमांटिक फिल्म है, जो 1 मई 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। इस रोमांटिक फिल्म में आमिर खान के बेटे जुनैद खान नजर आएंगे और उनके साथ एक्ट्रेस साई पल्लवी बर्फबारी में रोमांस करती दिखेंगी। साथ ही मशहूर एक्ट्रेस साई पल्लवी इस फिल्म के साथ बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही है।

साउथ एक्ट्रेस साई पल्लवी और जुनैद खान की अपकमिंग फिल्म एक दिन को आमिर खान के प्रोडक्शन में बनाया जा रहा है। आने वाली इस रोमांटिक फिल्म एक दिन का पहला पोस्टर रिलीज कर दिया गया है। पोस्टर शेयर करते हुए आमिर



खान के प्रोडक्शन हाउस ने बताया कि यह फिल्म 1 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। कैप्शन

में मेकर्स ने लिखा जिंदगी की भागदौड़ में प्यार तुम्हें ढूँढ़ ही लेगा...एक दिन। वहीं इसका टीजर आज रिलीज हो गया।

साई पल्लवी और जुनैद खान फिल्म में काफी रोमांटिक और लविंग कपल के किरदार में दिख रहे हैं। उन्होंने सदी के गर्म कपड़े पहने हुए हैं और टंडी-टंडी आइसक्रीम का आनंद उठा रहे हैं। पोस्टर में दोनों चारों तरफ बर्फ से घिरे हुए नजर आ रहे हैं। कपल के लुक को देखकर लग रहा है कि फिल्म में दोनों ने कॉलेज जाने वाले यूंगस्टर्स का किरदार निभाया है। फिल्म को सुनील पांडे द्वारा डायरेक्ट किया गया है और फिल्म की कहानी स्नेहा देसाई और स्पंदन मिश्रा ने लिखा है। इस फिल्म के साथ आमिर खान और मंसूर खान ने 18 साल बाद प्रोड्यूसर के तौर पर वापसी की है। इससे पहले उन्होंने साल 2008 में आई फिल्म जाने तू...या जाने ना में साथ काम किया था।

अजब-गजब

दुनिया के सबसे अमीर देशों में शुमार है यह देश

अब इस देश की रेत में मिला सोने का भण्डार

सऊदी अरब, जो पहले से ही दुनिया के सबसे अमीर देशों में शुमार है, अब सोने की नई खोज से और भी चमकदार हो गया है। राज्य समर्थित माइनिंग कंपनी मादेन ने 12 जनवरी 2026 को एक ऐतिहासिक घोषणा की कि देश में चार अलग-अलग स्थानों पर कुल 7.8 मिलियन औंस (लगभग 2 लाख 21 हजार किलो) सोने के नए भंडार मिले हैं।

ये खोज अरेबियन शील्ड क्षेत्र में की गई विस्तृत ड्रिलिंग कैम्पेन का नतीजा है, जिसे कंपनी ने एक ही क्षेत्र में अब तक की सबसे बड़ी एक्सप्लोरेशन कोशिश बताया है। मादेन के मुताबिक, शुरुआती ड्रिलिंग से 9 मिलियन औंस से ज्यादा सोना मिला था, लेकिन सालाना रिपोर्टिंग में लागत और कर्मोडिटी प्राइस के एडजस्टमेंट के बाद नेट इजाफा 7.18 मिलियन औंस हो गया। ये इजाफा सऊदी अरब की कुल गोल्ड रिसोर्स में शामिल हो गया है, जो देश की मॉडर्न माइनिंग हिस्ट्री में सबसे बड़ा ऐडिशन है।

इस खोज में सबसे बड़ा योगदान फ्लैगशिप मंसूरा मसारा ऑपरेशन से आया है। यहां टारगेटेड ड्रिलिंग से पिछले साल के मुकाबले 3 मिलियन औंस का नेट इजाफा हुआ। ये माइन सऊदी की सबसे बड़ी और आधुनिक गोल्ड माइन है, जो पहले से ही प्रोडक्शन में है। इसके अलावा, उरुक 20/21 (Uruq 20/21) और



उम्म अस सलाम प्रॉस्पेक्ट्स में मिलकर 1.67 मिलियन औंस का योगदान रहा। सबसे रोमांचक हिस्सा वादी अल जवव है, जहां पहली बार मिनरल रिसोर्स की रिपोर्ट में 3.8 मिलियन औंस का अनुमान लगाया गया। ये एक पूरी तरह नई डिस्कवरी है। मादेन ने बताया कि सेंट्रल अरेबियन गोल्ड रीजन में एडवांस्ड ड्रिलिंग से कई नए मिनरलाइज्ड जोन मिले हैं। साथ ही, ऐतिहासिक महद गोल्ड माइन के पास नीयर-माइन ड्रिलिंग से ज्ञात रिसोर्स को और बढ़ाया गया है। ये खोज साबित करती है कि अरेबियन शील्ड में अभी भी बहुत बड़ा अनएक्सप्लोर्ड मिनरल वेल्थ बाकी है। तेल के अलावा और भी है खजाना। सऊदी अरब विजन 2030 के तहत माइनिंग सेक्टर को बढ़ावा दे रहा है, ताकि तेल पर निर्भरता कम हो सके। मादेन पहले से ही गोल्ड, फॉस्फेट, एल्युमिनियम और अन्य

मिनरल्स में बड़ा प्लेयर है। 2025 में कंपनी ने कई नए प्रोजेक्ट्स लॉन्च किए और ये नई डिस्कवरी विजन 2030 की सफलता का बड़ा सबूत है। विशेषज्ञों का कहना है कि इन नए रिसोर्स से सऊदी की गोल्ड प्रोडक्शन अगले कुछ सालों में कई गुना बढ़ सकती है।

वर्तमान में सऊदी की गोल्ड प्रोडक्शन सालाना करीब 5-6 टन है, लेकिन नए भंडारों से ये 20-30 टन तक पहुंच सकती है। ग्लोबल मार्केट में सोने की कीमत 2026 में 2800-3000 डॉलर प्रति औंस के आसपास है, जिससे इन रिसोर्स की वैल्यू अरबों डॉलर में है। 7.8 मिलियन औंस की वैल्यू करीब 22 बिलियन डॉलर (लगभग 1.85 लाख करोड़ रुपये) से ज्यादा है। ये खोज ना सिर्फ आर्थिक रूप से फायदेमंद है, बल्कि जॉब्स क्रिएशन और टेक्नोलॉजी ट्रांसफर में भी मदद करेगी।

पति की मौत का सदमा या पागलपन चिता की राख चाटती है यह महिला

प्यार एक ऐसा अहसास है, जो जब खत्म हो जाता है या आपसे दूर हो जाता है तो जिंदगी बोझ बन जाती है। अपने को खोने का गम कई बार लोगों को सदमा दे जाता है। इस सदमे की वजह से कई बार लोग पागल हो जाते हैं या कई लोग खुद को बाकी की दुनिया से अलग कर लेते हैं। लेकिन कुछ ऐसे भी लोग होते हैं जो इस सदमे में सनकी बन जाते हैं। उनकी हरकतें देखकर लोगों को आश्चर्य के साथ साथ हैरानी होती है। ऐसी ही एक महिला अमेरिका में रहती है, जिसने अपने पति की मौत के बाद ऐसा काम किया कि आज भी लोग उसे याद कर सिहर जाते हैं। हम बात कर रहे हैं अमेरिका के टेनेसी में रहने वाली कैसि की। कैसि उस समय चर्चा में आई थी, जब उसने खुलासा किया था कि वो अपने मरे हुए पति की अस्थियां चाटती है। एक बार गलती से उसके हाथ पर अस्थियां गिर गई थी। अपने पति के प्यार में उसने उसे धोने की जगह चाट लिया। बस फिर क्या था? उसे इसकी ऐसी लत लगी कि उसने पूरे कलश को ही चाट-चाट कर खत्म कर दिया। ये कैसि का अपने पति के प्रति प्यार जताने का तरीका था, जिसने दुनिया को हैरान कर दिया था। अपनी स्टोरी कैसि ने अरुष्ट के साथ शेयर की थी। माई स्ट्रेंज एडिक्शन नाम के सीरीज में कैसि की स्टोरी दिखाई गई थी। उसके पति की अचानक अस्थिमा अटैक के कारण मौत हो गई थी। पति का यूं चला जाना कैसि को तनहा कर गया। इसके बाद वो काफी चुप हो गई थी। एक दिन गलती से कैसि के हाथ पर अस्थियां गिर गई जिसे साफ करने की जगह वो चाट गई। इसके बाद तो जैसे कैसि को लत लग गई। वो हर जगह अपने पति की अस्थियां साथ ले जाने लगी। इसके अलावा वो खाने में भी अस्थियां छिड़क लेती थी। कैसि की इस हरकत ने लोगों का ध्यान खींचा। वो जहां जाती, चाहे शॉपिंग हो या घूमना, अस्थियां साथ रखती। इसके बाद उसने खुलासा किया कि वो असल में इसे खाती भी है। बात अगर इन अस्थियों के स्वाद की करें, तो कैसि ने खुलासा किया था कि इसका टेस्ट सड़े अंडे जैसा लगता है। वहीं हेल्थ एक्सपर्ट्स ने इसे खतरनाक बताया था।



भाजपा ने मतदाता सूचियों में हेराफेरी करवाई : गहलोत

» पूर्व सीएम बोले- सरकार ने प्रशासन का दुरुपयोग किया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राजस्थान की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर प्रशासन का दुरुपयोग कर मतदाता सूचियों में हेराफेरी का घड़यंत्र रचने का आरोप लगाया। गहलोत ने इसे शर्मनाक बताते हुए कहा कि इसने भाजपा को "बेनकाब" कर दिया है। गहलोत ने कहा, आज का दिन राजस्थान में लोकतंत्र के लिए एक काले अध्याय जैसा है, जिसने भाजपा को बेनकाब कर दिया है। सत्ता के मद में चूर भाजपा सरकार ने प्रशासन का दुरुपयोग कर मतदाता सूचियों में हेराफेरी का जो घड़यंत्र रचा है, वह शर्मनाक है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने दावा किया कि

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के अंतिम दिन एक सुनियोजित साजिश के तहत निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों (ईआरओ) के माध्यम से बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) पर दबाव डाला गया कि वे कांग्रेस विचारधारा वाले मतदाताओं के नाम

काटें। उन्होंने आरोप लगाया कि यहां तक कि फॉर्म-सात में पहले से डेटा भरकर बीएलओ को सौंपा गया, जो निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया पर सीधा हमला है। उन्होंने कहा, कई जगहों पर प्रशासनिक अधिकारियों और बीएलओ ने इस

निर्वाचन कार्य में लगे अधिकारी सवैधानिक मर्यादा का पालन करें

उन्होंने निर्वाचन कार्य में लगे अधिकारियों से सवैधानिक मर्यादा का पालन करने की अपील की। गहलोत ने कहा, मैं उन अधिकारियों को भी स्पष्ट शब्दों में आगाह करना चाहता हूँ जो भाजपा के दबाव में सविधान की धजिया उड़ा रहे हैं। समय बदलते देर नहीं लगती। सरकारें आती-जाती रहेंगी, लेकिन यदि आपने नियम विरुद्ध कार्य किया तो कानून के दायरे में आपकी जवाबदेही सुनिश्चित की जाएगी और सख्त कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा, सवैधानिक मर्यादा का पालन करें, अन्यथा परिणाम मुगलने के लिए तैयार रहें। राज्य में फिलहाल एसआईआर प्रक्रिया चल रही है।

लोकतंत्र की हत्या में शामिल होने से इनकार किया, तो सत्ताधारी पार्टी के लोगों ने उन्हें तबादलों की धमकी दी। पूर्व मुख्यमंत्री ने एक बयान में कहा, भाजपा ने ऐसा दुस्साहस कर जनता और लोकतंत्र का अपमान किया है। मेरे निर्वाचन क्षेत्र सरदारपुरा तक में ऐसा कुप्रयास किया गया है। मैंने इस संबंध में राज्य निर्वाचन आयुक्त नवीन महाजन से फोन पर बात कर जानकारी दी है और त्वरित कार्रवाई की मांग की है।

पार्टी-विरोधी गतिविधियों में शामिल लोग भ्रष्ट और देशद्रोही हैं : पटनायक

» पूर्व सीएम ने किया बीजद के दो विधायकों को निलंबित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कटक। विपक्षी बीजू जनता दल (बीजद) ने अपने दो विधायकों अरविंद मोहपात्रा और सनातन महाकुड को पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में निलंबित कर दिया तथा संकेत दिया कि वे भ्रष्ट और देशद्रोही हैं। पार्टी ने हालांकि केंद्रपाड़ा जिले की पटकुरा से विधायक मोहपात्रा और कोंकण जिले के चंपुआ निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले महाकुड द्वारा कथित रूप से की गई पार्टी विरोधी गतिविधियों की प्रकृति को स्पष्ट नहीं किया। नवीन पटनायक द्वारा हस्ताक्षरित आदेश के मुताबिक, पार्टी-विरोधी गतिविधियों में सलिप्तता के कारण उन्हें (दोनों विधायकों को) बीजू जनता दल से तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाता है।

मोहंती ने कहा, उचित प्रक्रिया का पालन करने के बाद, दोनों को पार्टी से तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। उन्होंने आगे कहा कि राज्य भर के पार्टी कार्यकर्ताओं ने इस फैसले का स्वागत किया है। पहली बार विधायक बनने वाले मोहपात्रा 2024 के विधानसभा चुनावों से लगभग 18 महीने पहले बीजद में शामिल हुए थे और उन्होंने निलंबन पर आश्चर्य व्यक्त



किया। उन्होंने कहा कि उन्हें इस फैसले की जानकारी सोशल मीडिया के माध्यम से मिली और उन्हें अपने खिलाफ लगे आरोपों का पता नहीं है। मोहपात्रा ने कहा, अगर आवश्यकता पड़ी तो मैं बीजद अध्यक्ष से मिलना चाहूंगा। महाकुड ने कहा कि उन्हें इस कदम से आश्चर्य नहीं हुआ और 2014 में एक निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुने जाने के बाद, वे बीजद में शामिल हो गए तथा 2024 के विधानसभा चुनाव में जीत हासिल की। उन्होंने हाल ही में पूर्व बीजद सरकार की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि उसके 24 साल के शासनकाल के दौरान कोंकण जिले की उपेक्षा की गई और उन्होंने सार्वजनिक रूप से मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी द्वारा क्षेत्र में किए गए विकास कार्यों की प्रशंसा की।

भाजपा की गलत नीतियों के चलते हरियाणा से पलायन कर रहे उद्योग : हुड्डा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पूर्व मुख्यमंत्री व नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि भाजपा की गलत नीतियों के कारण हरियाणा से लगातार उद्योग पलायन कर रहे हैं। हाल ही में जारी आंकड़ों के अनुसार 2018-19 से अब तक हरियाणा में 1446 फैक्ट्रियां या तो बंद हो गई हैं या पलायन कर गई हैं। भारतीय रिजर्व बैंक ने सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की ओर से जारी वार्षिक उद्योग सर्वेक्षण के डेटा के आधार पर यह जानकारी दी है। ऐसे में हरियाणा में बेरोजगारी, नशा, अपराध और पलायन बढ़ रहा है।



हुड्डा ने कहा कि पिछले पांच सालों में हरियाणा के औद्योगिक क्षेत्र में 12.2 फीसदी की गिरावट आई है। कांग्रेस सरकार ने अपने कार्यकाल में प्रदेश में छह नई आईएमटी इंस्टीट्यूट बनवाए थे। साथ ही मारुति, एशियन पेंट्स, एनटीपीसी, रिलायंस, होंडा, आईओसी, पैनासोनिक, योकोहामा, डेंसो जैसे बड़े-बड़े उद्योग प्रदेश में स्थापित कराए। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार का पूरा ध्यान सिर्फ इवेंट मैनेजमेंट और आत्ममुग्ध प्रचार पर केंद्रित है जो जमीनी हकीकत से कोसों दूर है। 1966 से 2014 तक प्रदेश का कुल कर्ज 60 हजार करोड़ था जो अब 5 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा हो चुका है। नीति आयोग के फिस्कल हेल्थ इंडेक्स में हरियाणा 18 राज्यों में 14वें स्थान पर है। एनसीआरबी की रिपोर्ट के अनुसार पिछले तीन साल में भ्रष्टाचार के मामले 187 फीसदी बढ़े हैं और हरियाणा भ्रष्टाचार में 6वें नंबर पर पहुंच गया है।

राहुल से मुलाकात नियमित बातचीत का हिस्सा

» उपमुख्यमंत्री शिवकुमार बोले- मुलाकात को ज्यादा गंभीरता से न लें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी के साथ उनकी हालिया मुलाकात नियमित राजनीतिक बातचीत का हिस्सा थी और इसका कोई मतलब नहीं निकाला जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि वह विभिन्न मुद्दों पर पार्टी नेतृत्व के साथ बातचीत जारी रखेंगे। शिवकुमार ने कहा कि उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट किया था जिसमें लिखा था, प्रयास विफल हो सकते हैं, लेकिन प्रार्थनाएं नहीं। यह पोस्ट कावेरी विवाद में हुए घटनाक्रम से संबंधित था। उन्होंने कहा, मेरी अर्जी के कारण कावेरी मुद्दे ने अदालत में एक नया रूप ले लिया है।

अदालत ने केंद्र सरकार से कहा है कि उसे मेकेदातु बैलेंसिंग जलाशय मुद्दे पर



फैसला लेना होगा। इसलिए मैंने यह ट्वीट किया। शिवकुमार ने पत्रकारों द्वारा की जा रही अलग-अलग व्याख्याओं को खारिज कर दिया। उपमुख्यमंत्री ने तमिलनाडु रवाना होने से पहले मैसूरु के दौरे के दौरान मंगलवार को राहुल गांधी से हुई मुलाकात के बारे में कहा कि उन्होंने कांग्रेस नेता से बातचीत की। शिवकुमार ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से हुई मुलाकात के बारे में कहा कि पार्टी की राज्य इकाई का अध्यक्ष होने के नाते राष्ट्रीय अध्यक्ष का राज्य दौरे

में चर्चा के बारे में खुलासा नहीं कर सकता

शिवकुमार ने कहा, मैं यह नहीं कहूंगा कि मैंने उनसे बात नहीं की। मैं यह खुलासा नहीं कर सकता कि हमारी वया चर्चा हुई। यह मेरे और उनके बीच की बात है। उन्होंने कहा कि वह शुक्रवार को दिल्ली रवाना होंगे। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा, मैं कल दिल्ली जा रहा हूँ, जहां मैं उनसे (राहुल गांधी से) मिलूंगा। मेरी असम विधानसभा चुनावों पर उनसे बैठक है।

पर स्वागत करना पार्टी प्रोटोकॉल का हिस्सा है। उन्होंने राहुल गांधी से मुलाकात के बाद उनके समर्थकों में उमड़ी खुशी के बारे में पूछे गए सवाल पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उन्हें ऐसी प्रतिक्रियाओं की जानकारी नहीं है। शिवकुमार ने कहा, राहुल से मेरी मुलाकात कोई नई बात नहीं है। मुझे नहीं पता कि आपको यह किसने बताया। खरगे, राहुल गांधी और अन्य लोगों से मेरी मुलाकात ऐसी बात नहीं है, जिस पर सार्वजनिक रूप से चर्चा की जा सके।

4 पीएम के संपादक संजय शर्मा को मातृ शोक, नेता प्रतिपक्ष लोस ने जताया दुख

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नेता प्रतिपक्ष व कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने 4 पीएम न्यूज़ नेटवर्क के संपादक संजय शर्मा की माता जी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। श्री गांधी ने कहा मैं माता-पिता को खोने के गहरे दुख को समझता हूँ।

आपकी मां को आप पर और आपके आदर्शों पर अत्यंत गर्व था। श्री गांधी ने कहा कि उन्हें आशा है कि संजय शर्मा की मां का अटूट प्रेम उनको जीवन भर मार्गदर्शन देता रहेगा। सांसद ने कहा कि भगवान दिवंगत आत्मा को शांति दे और इस कठिन समय में उनके परिवार को इस क्षति से उबरने की शक्ति दे।



भारत का विश्वकप में जीत के साथ आगाज

» अमेरिका के खिलाफ जीत के लिए भारतीय अंडर-19 टीम को बहाना पड़ा पसीना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बुलावायो। भारतीय अंडर-19 टीम ने विश्वकप में अपने अभियान की विजयी शुरुआत की है। भारत ने बारिश से बाधित मुकाबले में अमेरिका को छह विकेट से हराया। अमेरिका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 35.2 ओवर में 107 रन बनाए थे। लक्ष्य का पीछा करने जब भारत उतरा तो मैच में कटौती की गई। भारत को 37 ओवर में 96 रनों का संशोधित लक्ष्य मिला। भारत ने 17.2 ओवर में चार विकेट पर 99 रन बनाकर मैच अपने नाम किया। लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत की

शुरुआत अच्छी नहीं रही। भारत ने वैभव सूर्यवंशी का विकेट जल्द गंवा दिया। वैभव दो रन बनाकर आउट हुए। वैभव के आउट होने के बाद बारिश ने मैच में बाधा डाली। मैच शुरू होने पर भारत ने वेदांत त्रिवेदी का विकेट गंवा दिया जो दो रन बनाकर आउट हुए। फिर कप्तान आयुष म्हात्रे भी 19 गेंदों पर चार चौकों की मदद से 19 रन बनाकर आउट हो गए। भारत ने इस तरह 25 रन के

स्कोर पर तीन विकेट गंवा दिए थे और टीम मुश्किल स्थिति में दिख रही थी। फिर विहान मल्होत्रा ने विकेटकीपर बल्लेबाज अभिज्ञान कुंडू के साथ मिलकर चौथे विकेट के लिए 43 गेंदों पर 45 रनों की साझेदारी की जिससे टीम का स्कोर 70 रन पहुंचा। फिर विहान 18 रन बनाकर आउट हुए। फिर कुंडू ने कनिष्क चौहान के साथ मिलकर भारत को जीत दिलाई। कुंडू ने छक्का लगाकर जीत की औपचारिकता पूरी की। कुंडू 41 गेंदों पर नाबाद 42 और कनिष्क 10 रन बनाकर नाबाद लौटे।



बुमराह को ट्रेनिंग के लिए मिला नया पार्टनर

नई दिल्ली। भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह टी20 विश्व कप की तैयारियों में जुट गए हैं। बुमराह न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज का हिस्सा नहीं हैं, लेकिन वह 21 जनवरी से शुरू हो रही पांच मैचों की टी20 सीरीज से मैदान पर वापसी करेंगे। बुमराह ने टी20 सीरीज से पहले नेट्स पर अभ्यास शुरू कर दिया है। बुमराह का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसमें वह अपने बेटे अंगद के साथ अभ्यास कर रहे हैं। बुमराह को व्यस्त कार्यक्रम को देखते हुए न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज से आराम दिया गया था। लेकिन वह टी20 टीम का हिस्सा हैं। अगले महीने होने वाले टी20 विश्वकप को देखते हुए भारत के लिए न्यूजीलैंड सीरीज काफी अहम है। बुमराह भारत के अहम खिलाड़ी हैं और कीवी टीम के खिलाफ सीरीज से विश्वकप की तैयारियों को परखेंगे। बुमराह ने अपने इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर करते हुए लिखा, ट्रेनिंग में नए साथी ने मुझे प्रेरित किया। वीडियो में दिख रहा है कि किस तरह जब बुमराह गेंदबाजी अभ्यास कर रहे हैं तो अंगद उनके आसपास घूम रहे हैं।

महाराष्ट्र में निकाय चुनाव के परिणाम पर घमासान

चुनाव नतीजों पर कांग्रेस व शिवसेना यूबीटी ने उठाए सवाल, नेता प्रतिपक्ष लोस बोले- वोट चोरी राष्ट्र-विरोधी काम

» विपक्षी पार्टियों के निशाने पर चुनाव आयोग

4पीएम न्यूज नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में निकाय चुनाव के परिणाम आने प्रारंभ हो गए हैं। इसमें भाजपा गठबंधन को बढ़त मिल रही है जबकि शिवसेना यूबीटी व कांग्रेस पिछड़े रहें हैं। अब इकसको लेकर सियासी बखेड़ा मच गया है। कांग्रेस सांसद व नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी व शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने चुनाव आयोग पर तीखा हमला बोला है। दोनों नेताओं ने आयोग पर धांधली का आरोप लगाया है।

शुक्रवार को बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनावों के संचालन पर गंभीर आरोप लगाते हुए मतदाता सूचियों में बड़े पैमाने पर अनियमितताओं, इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों

विधानसभा चुनावों में मतदान करने वालों के नाम भी मतदाता सूची से गायब : संजय राउत



संजय राउत ने आरोप लगाया कि हजारों लोगों के नाम, जिन्होंने विधानसभा चुनावों में भी मतदान किया है, मतदाता सूची से गायब हैं। यह विशेष रूप से उन क्षेत्रों में हो रहा है जहां शिवसेना (यूबीटी), एमएनएस या कांग्रेस के वोट अधिक हैं। राउत ने यह भी दावा किया कि कई मतदान केंद्रों पर ईवीएम में खराबी आ रही थी। उन्होंने कहा कि जहां एनसीपी के लिए वोट बटन दबाया गया, वहां भाजपा के लिए लाइट जल गई। शिवसेना (यूबीटी) के मशाल चिन्ह और एमएनएस के इंजन चिन्ह के साथ भी ऐसा ही हुआ। उन्होंने आगे कहा कि चुनाव आयोग को बार-बार शिकायतें करने के बावजूद कोई सुनवाई नहीं हुई।

भाजपा नेताओं और नगर आयुक्त की बैठक आचार संहिता का उल्लंघन

वरिष्ठ भाजपा नेताओं और मुंबई नगर आयुक्त भूषण गगरानी के बीच हुई बैठक पर सवाल उठाते हुए राउत ने आचार संहिता के उल्लंघन का आरोप लगाया। उन्होंने पूछा, कल शाम करीब 6 बजे वरिष्ठ भाजपा नेताओं और मुंबई नगर आयुक्त के बीच बैठक हुई। ऐसा क्यों? आचार संहिता अभी भी लागू है। आप आयुक्त के साथ डेढ़ घंटे बैठे और क्या तय किया? क्या आपने आज के नतीजे पहले ही तय कर लिए? राउत ने एग्जिट पोल के समय को लेकर भी

चिंता जताई और दावा किया कि आधिकारिक मतदान प्रतिशत घोषित होने से पहले ही उन्हें जारी कर दिया गया था। उन्होंने कहा कि मतदान प्रतिशत घोषित होने से पहले ही एग्जिट पोल के नतीजे आ गए। ये क्या हो रहा है? कुछ जगहों पर मतदान जारी रहने के दौरान ही एग्जिट पोल आ गए, लेकिन भाजपा से जुड़े मीडिया संस्थानों ने इन्हें एक-एक करके जारी करना शुरू कर दिया। भाजपा नेता अपनी जीत का जश्न मनाने लगे। ये किस तरह का लोकतंत्र है?

(ईवीएम) की खराबी और आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन का दावा किया।

परिणाम दिवस पर संबोधित करते हुए राउत ने कहा कि मुंबई में जो मतदान पैटर्न देखने को मिल रहा है वह एक गंभीर मामला है। उन्होंने

आरोप लगाया कि उन क्षेत्रों में हजारों मतदाताओं के नाम मतदाता सूचियों से गायब हैं जहां शिवसेना (यूबीटी), महाराष्ट्र नवीन निर्माण सेना (एमएनएस) और कांग्रेस को पारंपरिक रूप से मजबूत समर्थन प्राप्त है।

चुनाव आयोग नागरिकों को गुमराह कर रहा : राहुल गांधी



लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को चुनाव आयोग पर तीखा प्रहार करते हुए आरोप लगाया कि देश की लोकतांत्रिक संस्थाओं से जनता का भरोसा खत्म होता जा रहा है। उन्होंने चुनाव आयोग पर निशाना साधा और भारत की लोकतांत्रिक प्रक्रिया में जनता के भरोसे में कमी को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं। उनके इन बयानों ने ऐसे समय में एक गरमागरम राजनीतिक बहस छेड़ दी है, जब भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाला महायुति गठबंधन प्रमुख नगर निकायों में प्रभावशाली बढ़त दिखा रहा है। झू पर गांधी ने कहा, चुनाव आयोग द्वारा नागरिकों को गुमराह करना ही हमारे लोकतंत्र में भरोसे के खत्म होने का कारण है। वोट चोरी एक राष्ट्र-विरोधी काम है।

नगर निगम के आरआर विभाग व भ्रष्टाचार में चोली-दामन का साथ

» जीरो टॉलरेंस की खुलेआम अवहेलना, बड़ों का संरक्षण

» सहायक अभियंता का तबादला हुआ पर अब भी नहीं हटे

4पीएम न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ नगर निगम के आरआर विभाग में सहायक अभियंता के पद पर तैनात रहे ईशान कुमार का तबादला महीनों तक रोके जाने का मामला अब केवल प्रशासनिक लापरवाही नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार और संरक्षण के गंभीर आरोपों से जुड़ता नजर आ रहा है। मुख्यमंत्री की जीरो टॉलरेंस नीति के बावजूद एक अधिकारी को लंबे समय तक कार्यमुक्त न किए जाने से आरआर विभाग और उसके शीर्ष अधिकारियों की भूमिका पर बड़े सवाल खड़े हो गए हैं।

ईशान कुमार के तबादले के बाद बारिश और सीएम ग्रिड योजना के कार्यों का हवाला देते हुए नगर आयुक्त ने दिसंबर तक तबादला रोके जाने के लिए निकाय निदेशालय को पत्र लिखा था। लेकिन तय समय सीमा समाप्त होने के बाद भी न तो सहायक अभियंता को कार्यमुक्त किया गया और न ही शासन के आदेश का पालन हुआ।

निदेशक, स्थानीय निकाय ने लिखे पत्र... अब निदेशक, स्थानीय निकाय अनुज्ञा ने नगर आयुक्त को पत्र जारी कर साफ निर्देश दिया है कि तबादले को 6 माह से अधिक समय बीत चुका है, इसलिए ईशान कुमार को तत्काल कार्यमुक्त कर लखनऊ से आगरा भेजा जाए। निदेशक को दोबारा पत्र भेजकर नगर निगम को आदेश की याद दिलानी पड़ी, जो अपने आप में गंभीर प्रशासनिक उदासीनता को दर्शाता है।



आईजीआरएस के माध्यम से भ्रष्टाचार की शिकायत

मामले को और गंभीर बनाता यह तथ्य है कि ईशान कुमार के खिलाफ शासन में आईजीआरएस के माध्यम से भ्रष्टाचार की शिकायत पहले ही दर्ज कराई जा चुकी है। इतना ही नहीं, मुख्यमंत्री कार्यालय तक भी शिकायत भेजी गई है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि आरआर विभाग में तैनाती के दौरान ईशान कुमार ने अपनी आय से कहीं अधिक, करोड़ों रुपये की संपत्ति अर्जित की। शिकायत में संपत्ति की जांच और आय के स्रोतों की पड़ताल की मांग की गई है। इसके बावजूद ईशान कुमार को आरआर जैसे संवेदनशील और आर्थिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण विभाग में बनाए रखना यह सवाल खड़ा करता है कि क्या उन्हें किसी स्तर पर संरक्षण प्राप्त था। सूत्रों का कहना है कि ऐसे मामलों में अधिकारी को न केवल तत्काल कार्यमुक्त किया जाना चाहिए, बल्कि निष्पक्ष जांच भी अनिवार्य होनी चाहिए। आरआर विभाग के मुख्य अभियंता ने बयान देते हुए कहा है कि शासन से प्राप्त पत्र को देखते हुए नगर आयुक्त से बातचीत कर ईशान कुमार को कार्यमुक्त कर दिया जाएगा।

बीजेपी ने किया राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए चुनाव की तारीख का ऐलान

4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्र की सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए चुनाव की तारीख का ऐलान कर दिया है। 19 जनवरी को नामांकन होगा। 20 जनवरी को नए अध्यक्ष के नाम का औपचारिक ऐलान किया जाएगा।

नितिन नबीन को बीजेपी ने पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष चुना है। ऐसे में ये तय माना जा रहा कि नितिन नबीन ही बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनेंगे। वो सबसे लंबे समय तक पार्टी का नेतृत्व करने वाले जेपी नड्डा की जगह लेंगे। भारतीय जनता पार्टी में अहम संगठनात्मक बदलाव होने वाला है, क्योंकि इसके राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन 19 जनवरी को राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए अपना नामांकन फाइल करने वाले हैं। नामांकन प्रक्रिया के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रस्तावक के तौर पर मौजूद रहने की उम्मीद है। ये पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के बीच नबीन के नेतृत्व में मजबूत समर्थन और विश्वास को दिखाता है।

शुरुआती रुझानों में भाजपा-शिवसेना गठबंधन की भारी बढ़त

महाराष्ट्र नगर निगम चुनाव : शिवसेना (यूबीटी) और एमएनएस गठबंधन 57 वार्डों में पिछड़ रहे हैं

4पीएम न्यूज नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र नगर निगम चुनाव के शुरुआती रुझानों में भाजपा-शिवसेना गठबंधन की भारी बढ़त दिख रही है, जो एक स्पष्ट भगवा लहर का संकेत है। बीएमसी, नागपुर और पुणे सहित प्रमुख शहरी केंद्रों में महायुति बड़ी जीत की ओर अग्रसर है, जबकि महाविकास अघाड़ी के दल काफी पीछे चल रहे हैं।

शुक्रवार को बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनावों में मतगणना के शुरुआती रुझानों के अनुसार, भाजपा-शिव सेना महायुति गठबंधन 102 वार्डों में आगे चल रहा है, जबकि शिवसेना (यूबीटी) और एमएनएस गठबंधन 57 वार्डों में पिछड़ रहे हैं। इनमें से यूबीटी गठबंधन की शिवसेना

पुणे नगर निगम में पवार परिवार पिछड़ा

पुणे नगर निगम (पीएमसी) में भाजपा ने पवार परिवार को पछड़ते हुए 165 में से 55 सीटों पर बढ़त बना ली है, जबकि एनसीपी के दोनो गुट 6 सीटों पर और कांग्रेस-यूबीटी गठबंधन 4 सीटों पर आगे हैं। ठाणे नगर निगम में, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के गुह क्षेत्र में, भाजपा 131 वार्डों में से 24 में आगे चल रही है, जबकि एनसीपी 4 और यूबीटी-एमएनएस-एनसीपी (एसपी) 5 वार्डों में आगे हैं। नाशिक में, रुझानों के अनुसार भाजपा 122 सीटों में से 12 में, एमवीए-एमएनएस 9 में और एसएस-एनसीपी 11 में आगे हैं।

48, एमएनएस की 8 और एनसीपी-एसपी की 1 सीट पर बढ़त बनाए हुए है। मतगणना

हॉस्पिटल जाएंगे और उल्टी-दस्त के प्रकोप के कारण भर्ती मरीजों से मिलकर उनका हालजांमोंगे। पटवारी ने बताया कि पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष भागीरथपुरा भी पहुंचेंगे और पीड़ित परिवारों से मुलाकात करके उनके प्रति शोक संवेदनाएं व्यक्त करेंगे। उन्होंने कहा, “हम दूषित पेयजल की समस्या के समाधान पर सकारात्मक चर्चा के लिए गांधी की मौजूदगी में बुद्धिजीवियों, पर्यावरणविदों और राज्य भर के नगर निगम पार्षदों का एक सम्मेलन आयोजित करना चाहते थे, लेकिन हमें प्रशासन ने इस आयोजन की अनुमति नहीं दी। इसलिए हम बाद में यह सम्मेलन आयोजित करेंगे।

के शुरुआती आंकड़ों के अनुसार, कांग्रेस 03 वार्डों में और अजीत पवार के एनसीपी गुट को बढ़त मिली है।

बीएमसी चुनाव परिणामों में अब तक भाजपा के नवनाथ बन ने वार्ड संख्या 135 जीता है, जबकि शिवसेना (शिंदे) की वर्षा तेंबावलकर ने वार्ड 51 में एनसीपी-एसपी उम्मीदवार को हराया है। शिवसेना (शिंदे) की रेखा राम यादव ने वार्ड 1 जीता है, जबकि कांग्रेस की शीतल म्हात्रे दूसरे स्थान पर रहीं। शुरुआती रुझानों के मुताबिक, नागपुर नगर निगम चुनाव में भाजपा मुख्यमंत्री के गृह नगर में सुनामी की तरह जीत हासिल करने की स्थिति में है, जो 151 में से 88 सीटों पर आगे है, जबकि कांग्रेस 22 सीटों पर आगे है।